

**अनुशोचन** पुं. (तत्.) किसी नियमविरुद्ध या अनुचित कार्य को करने के बाद होने वाला पछतावा, पश्चात्ताप।

**अनुश्रवण** पुं. (तत्.) 1. गुरुपरंपरा से उच्चारित मंत्रादि को सुना जाना 2. सरकारी टेलीफोन (दूरभाष यंत्र) के दुरुपयोग को जानने के लिए सुनना।

**अनुश्रुत** वि. (तत्.) शा.अर्थ. सुना हुआ, सुनीसुनाई बात। **विधि.** सुना हुआ अपुष्ट प्रमाण, जिसे साक्ष्य नहीं माना जा सकता है।

**अनुश्रुत साक्ष्य** पुं. (तत्.) सुनी सुनाई बात की साक्ष्य के रूप में प्रस्तुति, जिसे विधि की दृष्टि में साक्ष्य नहीं माना जाता।

**अनुश्रुति** स्त्री. (तत्.) परंपरा से प्राप्त कथा, उक्ति या बात, किंवदंती, सुनी सुनाई।

**अनुश्रोता** पुं. (तत्.) [अनु+श्रोता] 1. किसी कथन को सुनने वाला। अनुश्रवण करने वाला 2. सरकारी टेलीफोन के दुरुपयोग की जानकारी देने वाला अधिकारी।

**अनुषंग** पुं. (तत्.) 1. संबंध, लगाव 2. करुणा, दया।

**अनुषंगी** वि. (तत्.) 1. संबंधी 2. सहायक, गौण, सहलग्न, संबद्ध दे. आनुषंगिक।

**अनुषंगी संगीत** पुं. (तत्.) किसी विशेष विषय से संबंधित भाव परक संगीत।

**अनुष्टुप, अनुष्टुभ** पुं. (तत्.) (स्तुतिपरक) श्लोक, संस्कृत में आठ-आठ वर्णों के चार चरण पदों वाला बत्तीस वर्णों का छंद।

**अनुष्ठाता** पुं. (तत्.) अनुष्ठानकर्ता, कार्य करने या कार्य प्रारंभ करने वाला।

**अनुष्ठान** पुं. (तत्.) 1. नियमपूर्वक किया जाने वाला कोई कार्य, शास्त्र के अनुसार कार्य 2. कार्य आरंभ करना।

**अनुष्ठापन** पुं. (तत्.) काम में प्रवृत्त करना, कार्य करना।

**अनुष्ठित** वि. (तत्.) सविधि पूरा किया हुआ, संपन्न, पूर्ण।

**अनुष्ठेय** वि. (तत्.) (विधि-पूर्वक) करने योग्य।

**अनुष्ण** वि. (तत्.) 1. जो गर्म न हो, (कम) ठंडा, कदुष्ण 2. विरागी।

**अनुसंतति** वि. (तत्.) [अनु+संतति] जो संतान के मनोनुकूल हो, संतान के अनुसार।

**अनुसंतति-संबोधन** पुं. (तत्.) [समाज] एक सामाजिक परंपरा के अनुसार जिसमें वयस्क आयु से बड़े गृहस्थ लोगों/व्यक्तियों को उनके नाम से न बुलाकर उनकी संतान के नाम से पुकारा जाता है, जैसे- उमा की माँ/अम्मा/दादी पिता, राघव की माँ पिता/दादा, आदि।

**अनुसंधान** पुं. (तत्.) किसी वस्तु, विषय, सामग्री आदि पर व्यवस्थित तरीके से की गई खोज, प्राचीन तथ्यों या नई जानकारी के अन्वेषण और अध्ययन से किसी नई बात का पता लगाना, खोज, आविष्कार, अन्वेषण, शोध।

**अनुसंधानना** क्रि.स. (तत्.) 1. किसी चीज का अनुसंधान करना, खोलना, ढूँढना, सोचना 2. किसी समस्या के संबंध में पता लगाना, छानबीन करना 3. किसी वैज्ञानिक या साहित्यिक विषय पर अनुसंधान या शोधकार्य करना, गवेषणा करना।

**अनुसंधान पुस्तकालय** पुं. (तत्.) पुस्तकालय जिसमें शोध, गवेषणा से संबंधित सामग्री सहज उपलब्ध हो।

**अनुसंधान सहायक** पुं. (तत्.) अकादमिक कार्यों से जुड़े संगठनों में अनुसंधान अधिकारी की सहायता करने वाला सहायक पर्या. शोध-सहायक।

**अनुसंधानी** पुं. (तत्.) [अनुसंधान+इन=ई] किसी विषय पर तथ्यपरक अनुसंधान करने वाला कोई व्यक्ति।

**अनुसंधायक** पुं. (तत्.) [अनु+सम+धायक] दे. अनुसंधानी।

**अनुसंधि** स्त्री. (तत्.) [अनु+संधि] 1. गुप्त परामर्श या संधि 2. कुचक्र, षड्यंत्र।